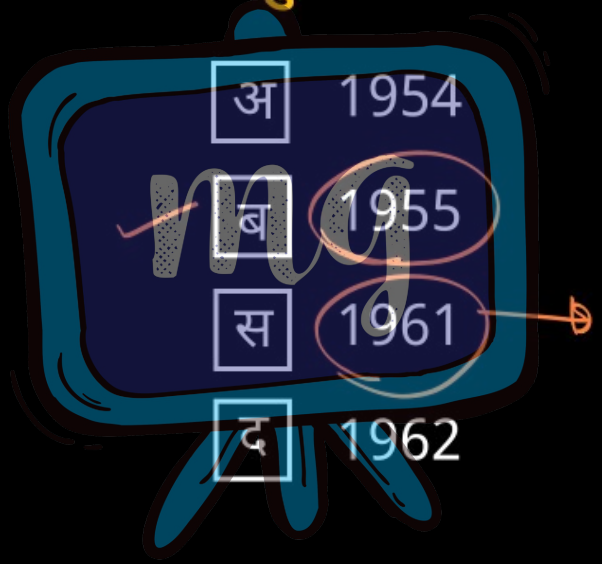

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
ई-पाठशाला कार्यक्रम
Class 12th POLITY
भारत के विदेश संबंध
RAPID REVISION

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. बांडुंग सम्मेलन कब हुआ?



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

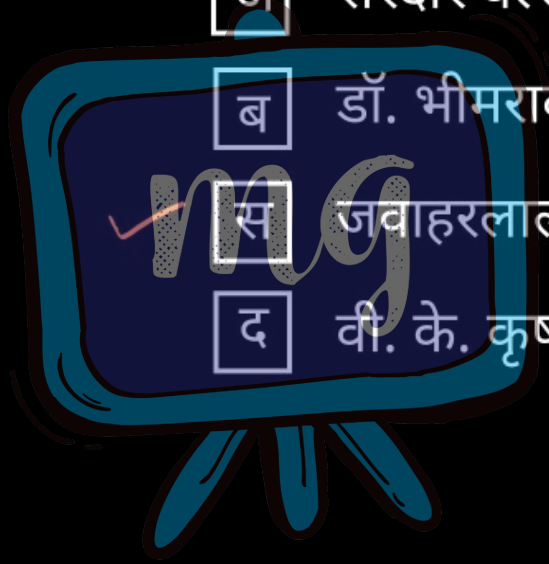
2. भारत के प्रथम विदेश मंत्री कौन थे?

अ सरदार वल्लभभाई पटेल

ब डॉ. भीमराव अंबेडकर

स जवाहरलाल नेहरू

द वी. के. कृष्णमेनन



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

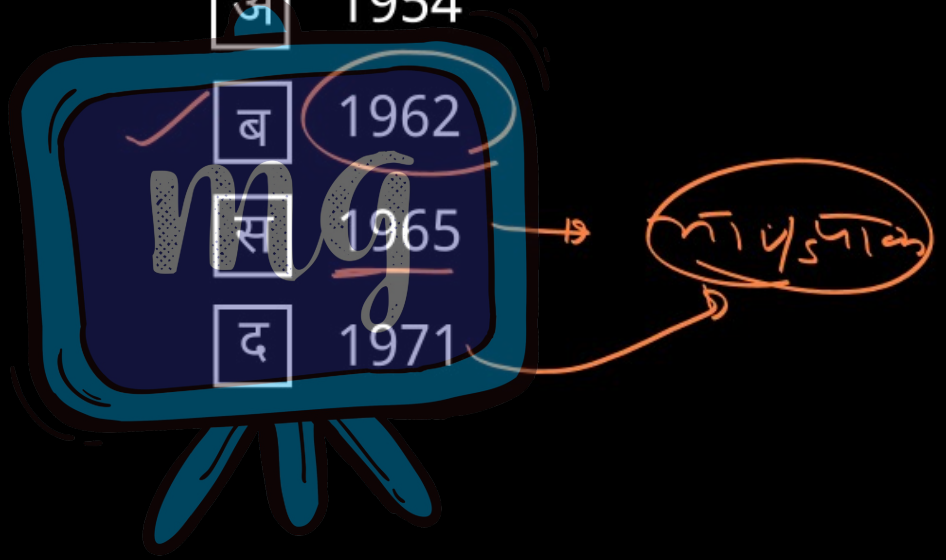
3. भारत-चीन युद्ध कब हुआ?

अ 1954

ब 1962

स 1965

द 1971



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. लालबहादुर शास्त्री और अयूब खान के बीच 1966 में कौन-सा समझौता हुआ?

1965
↓
भा. V/S पाक.

अ सिंधु नदी जल संधि

ब पंचशील समझौता

स ताशकंद समझौता

द शिमला समझौता

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

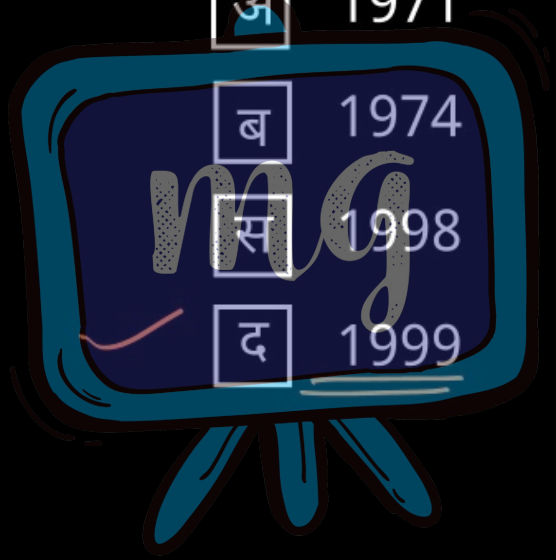
5. भारत-पाक कारगिल संघर्ष कब हुआ?

अ 1971

ब 1974

स 1998

द 1999



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6. 1956 में स्वेज नहर को लेकर ब्रिटेन ने किस देश पर हमला किया?



अ मिस्र

ब हंगरी

स इंडोनेशिया

द चीन

7. भारत और चीन के बीच पंचशील की घोषणा किस वर्ष हुई?

अ 1949

ब 1954

स 1955

द 1961

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

8. भारत ने 1971 में सोवियत संघ के साथ कितने वर्षों की शांति और मित्रता की संधि की?



अ 5 वर्ष

ब 10 वर्ष

स 20 वर्ष

द 25 वर्ष

9. 1971 के भारत-पाक युद्ध के परिणामस्वरूप कौन-सा स्वतंत्र राष्ट्र अस्तित्व में आया?

अ तिब्बत

ब बांग्लादेश

स चीन

द पाकिस्तान

10. भारत और चीन के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध किस वर्ष बहाल हुए?

अ 1962

ब 1966

स 1976

द 1979

रिक्त स्थान

11. 1960 में भारत-पाकिस्तान ने _____ संधि पर हस्ताक्षर किए।

12. भारत ने सन् _____ में पहला परमाणु परीक्षण किया।



13. परमाणु अप्रसार संधि _____ में हुई।



14. गुटनिरपेक्ष आंदोलन का पहला सम्मेलन सन् _____ में हुआ।



15. भारत ने मार्च _____ में एशियाई संबंध सम्मेलन का आयोजन किया।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

16. गुटनिरपेक्ष आंदोलन का पहला सम्मेलन कहाँ हुआ?



उत्तर– बेलग्रेड।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

17. शिमला समझौता कब और किनके बीच हुआ?

उत्तर– 3 जुलाई 1972 को भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

18. पंचशील की संयुक्त घोषणा किन दो नेताओं ने की?

उत्तर– जवाहरलाल नेहरू और चाऊ एन लाई।



19. भारत ने 1959 में तिब्बत के किस धार्मिक नेता को शरण दी?

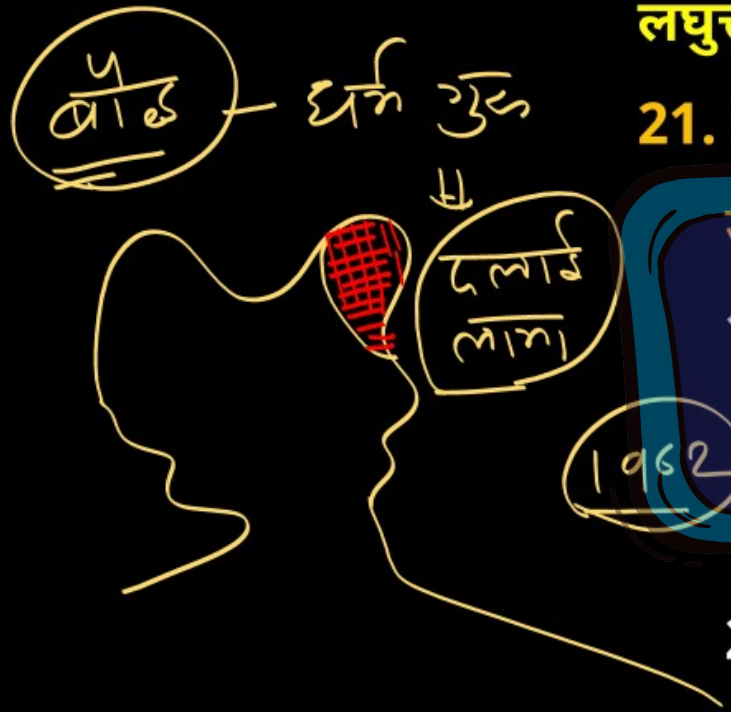
उत्तर– दलाई लामा।

20. भारत के प्रारंभिक परमाणु कार्यक्रम का निर्देशन किस वैज्ञानिक ने किया?

उत्तर– होमी जहाँगीर भाभा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



लघुत्तरात्मक प्रश्न

21. भारत-चीन संबंध खराब होने के दो कारण बताइए।

उत्तर–

1. **तिब्बत का मुद्दा :** चीन ने 1950 में तिब्बत पर नियंत्रण स्थापित किया। भारत द्वारा 1959 में दलाई लामा को शरण देने से दोनों देशों के संबंधों में तनाव और बढ़ा।
2. **सीमा विवाद :** अक्साई-चीन तथा अरुणाचल प्रदेश के क्षेत्र को लेकर दोनों देशों में मतभेद उत्पन्न हुए। चीन के क्षेत्रीय दावों और सैन्य गतिविधियों से संबंध खराब हुए।



22. भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के दो कारण लिखिए।

उत्तर–

1. **कश्मीर विवाद :** 1947 में जम्मू-कश्मीर को लेकर दोनों देशों के बीच संघर्ष प्रारंभ हुआ, जो बाद में भी तनाव का प्रमुख कारण बना रहा।
2. **सीमा पर सैन्य संघर्ष :** 1965 के सैन्य हमले और 1999 के कारगिल संघर्ष जैसी घटनाओं से भारत-पाकिस्तान के संबंध तनावपूर्ण रहे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



23. नेहरू विदेश नीति को स्वतंत्रता का अनिवार्य संकेतक क्यों मानते थे?

उत्तर–

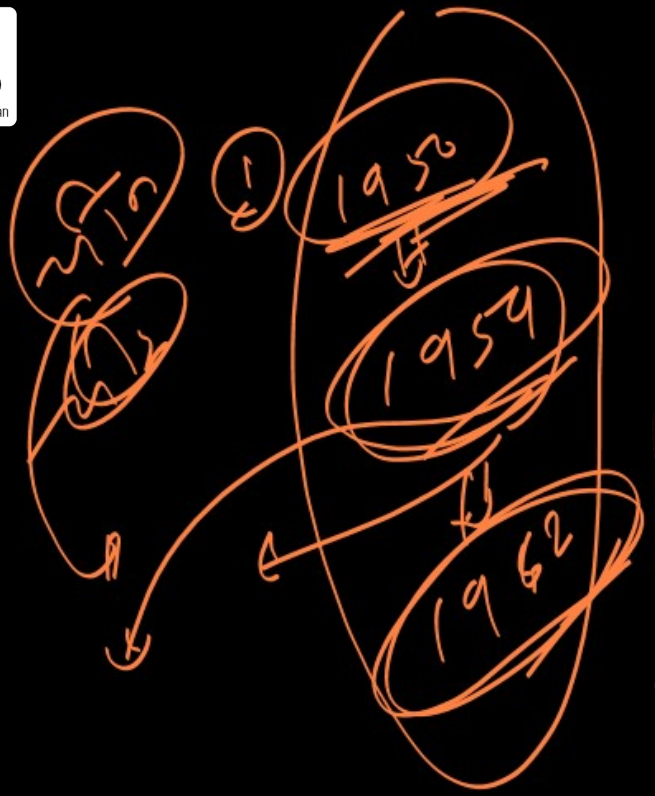
1. **वास्तविक स्वतंत्रता :** नेहरू के अनुसार विदेश संबंधों पर स्वतंत्र नियंत्रण होना किसी राष्ट्र की वास्तविक आजादी का प्रमाण है।
2. **स्वतंत्र निर्णय :** विदेशी दबाव से मुक्त रहकर राष्ट्र अपने अंतर्राष्ट्रीय निर्णय स्वयं ले सकता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. **संप्रभुता की रक्षा :** स्वतंत्र विदेश नीति के माध्यम से राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा की जा सकती है।

4. **राष्ट्रीय हित :** प्रत्येक राष्ट्र अपनी सुरक्षा तथा आर्थिक विकास की आवश्यकताओं के अनुसार अन्य देशों से संबंध स्थापित कर सकता है।



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

24. भारत-चीन संबंधों पर टिप्पणी लिखिए।

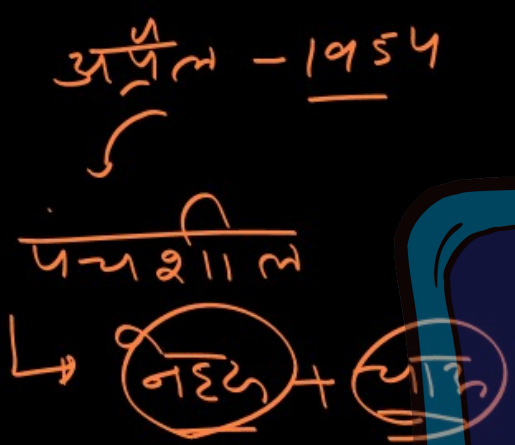
उत्तर- **भूमिका :** स्वतंत्रता के बाद भारत और चीन के संबंध आरंभ में मैत्रीपूर्ण थे। बाद में तिब्बत एवं सीमा विवाद के कारण इनमें तनाव उत्पन्न हुआ।

मुख्य बिंदु :

1. **प्रारंभिक मैत्रीपूर्ण संबंध :** भारत, 1949 की चीनी क्रांति के बाद चीन की साम्यवादी सरकार को मान्यता देने वाले पहले देशों में था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2. **पंचशील की घोषणा :** 29 अप्रैल 1954 को जवाहरलाल नेहरू और चाऊ एन लाई ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पाँच सिद्धांतों की घोषणा की।

3. **तिब्बत विवाद :** चीन ने 1950 में तिब्बत पर नियंत्रण स्थापित किया, जिससे भारत की चिंताएँ बढ़ीं।

4. **दलाई लामा को शरण :** 1959 में भारत द्वारा दलाई लामा को शरण देने पर चीन ने विरोध किया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. **सीमा विवाद :** अक्साई-चीन और अरुणाचल प्रदेश के क्षेत्र को लेकर दोनों देशों में गंभीर मतभेद उत्पन्न हुए।

6. **1962 का युद्ध :** अक्टूबर 1962 में चीन ने भारतीय सीमा क्षेत्रों में व्यापक आक्रमण किया।

7. **युद्ध का प्रभाव :** भारत की सुरक्षा व्यवस्था, राष्ट्रीय स्वाभिमान और आंतरिक राजनीति पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

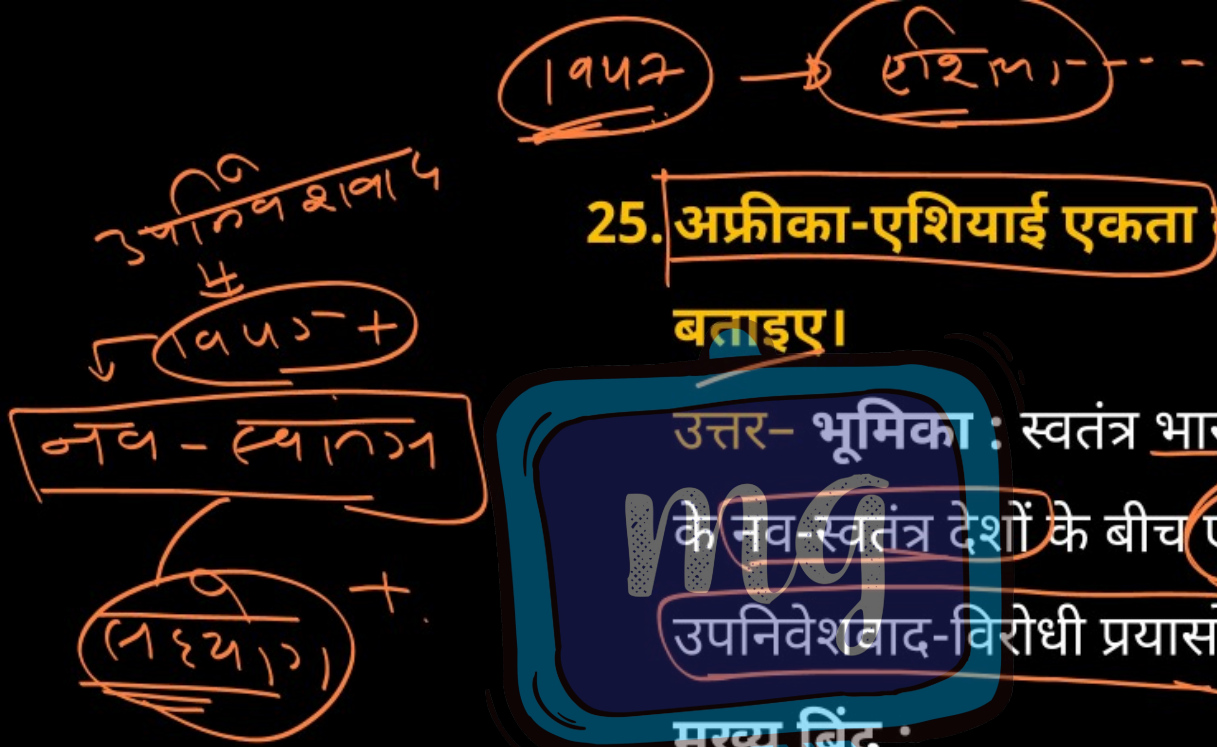
8. **संबंधों में सुधार :** 1976 में पूर्ण राजनयिक संबंध बहाल हुए। इसके बाद दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों पर अधिक जोर दिया गया।

1976



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



25. अफ्रीका-एशियाई एकता के लिए भारत के प्रयास बताइए।

उत्तर- **भूमिका :** स्वतंत्र भारत ने एशिया और अफ्रीका के नव-स्वतंत्र देशों के बीच एकता, सहयोग तथा उपनिवेशवाद-विरोधी प्रयासों को प्रोत्साहित किया।

मुख्य बिंदु :

1. **एशियाई संबंध सम्मेलन :** मार्च 1947 में नेहरू की अगुआई में भारत ने एशियाई संबंध सम्मेलन का आयोजन किया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. **इंडोनेशिया की स्वतंत्रता :** भारत ने डच औपनिवेशिक शासन से इंडोनेशिया की मुक्ति का समर्थन किया।

3. **अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन :** 1949 में भारत ने इंडोनेशिया के स्वतंत्रता संग्राम के समर्थन में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

4. **उपनिवेशवाद का विरोध :** भारत ने एशिया और अफ्रीका में अनौपनिवेशीकरण का समर्थन किया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. **नस्लवाद एवं रंगभेद का विरोध :** भारत ने विशेष रूप से दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद का विरोध किया।

6. **बांडुंग सम्मेलन :** 1955 के एफ्रो-एशियाई सम्मेलन ने एशियाई-अफ्रीकी देशों के बीच संपर्क को मजबूत किया।

7. **गुटनिरपेक्ष आंदोलन :** बांडुंग सम्मेलन में इस आंदोलन की नींव पड़ी और सितंबर 1961 में इसका पहला सम्मेलन बेलग्रेड में हुआ।

26. गुटनिरपेक्षता का महत्त्व बताइए।

उत्तर– **भूमिका :** गुटनिरपेक्षता भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का प्रमुख आधार थी। इसका उद्देश्य शीतयुद्ध के दौरान किसी भी महाशक्ति के सैन्य गुट में शामिल हुए बिना अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना था।

मुख्य बिंदु :

1. **स्वतंत्र विदेश नीति :** भारत को अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर स्वतंत्र निर्णय लेने का अवसर मिला।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. **सैन्य गुटों से दूरी :** भारत अमेरिका तथा सोवियत संघ के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधनों से दूर रहा।
3. **संप्रभुता की रक्षा :** इस नीति से भारत को अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा करने में सहायता मिली।
4. **क्षेत्रीय अखंडता :** स्वतंत्र विदेश नीति का एक प्रमुख उद्देश्य भारत की क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखना था।
5. **आर्थिक विकास :** भारत दोनों महाशक्ति खेमों के देशों से सहायता और अनुदान प्राप्त कर सका।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

6. **विश्व शांति :** भारत ने शीतयुद्ध का तनाव कम करने तथा संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में योगदान दिया।
7. **मैत्रीपूर्ण संबंध :** भारत ने दोनों महाशक्ति खेमों के देशों के साथ संबंध बनाए रखने का प्रयास किया।
8. **नव-स्वतंत्र देशों को समर्थन :** इस नीति ने एशिया-अफ्रीका के देशों के साथ सहयोग को बढ़ावा दिया।

निबन्धात्मक प्रश्न

27. भारत की परमाणु नीति की विवेचना कीजिए।

उत्तर–

भूमिका : भारत की परमाणु नीति का विकास वैज्ञानिक प्रगति, शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा के उपयोग, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक निशस्त्रीकरण के उद्देश्यों के आधार पर हुआ।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1. परमाणु कार्यक्रम की शुरुआत :

- नेहरू का योगदान – जवाहरलाल नेहरू ने आधुनिक भारत के निर्माण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को विशेष महत्त्व दिया।
- होमी जहाँगीर भाभा – उनके निर्देशन में 1940 के दशक के अंतिम वर्षों में परमाणु कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा का समर्थन :

- शांतिपूर्ण उद्देश्य – भारत परमाणु ऊर्जा का उपयोग शांतिपूर्ण कार्यों के लिए करना चाहता था।
- नेहरू का दृष्टिकोण – नेहरू परमाणु हथियारों के विरोधी थे और परमाणु निशस्त्रीकरण पर जोर देते थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. परमाणु अप्रसार संधि के प्रति दृष्टिकोण :

- 1968 की संधि – भारत ने परमाणु अप्रसार संधि (NPT) को भेदभावपूर्ण माना।
- हस्ताक्षर से इनकार – भारत ने संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए क्योंकि इससे परमाणु शक्ति-संपन्न देशों के एकाधिकार को मान्यता मिलती थी।
- CTBT का विरोध – भारत ने व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि पर भी हस्ताक्षर करने से इनकार किया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. भारत के परमाणु परीक्षण :

- 1974 का परीक्षण – मई 1974 में भारत ने अपना पहला परमाणु परीक्षण किया और उसे शांतिपूर्ण बताया।
- 1998 के परीक्षण – मई 1998 में भारत ने फिर परीक्षण करके सैन्य उद्देश्यों के लिए परमाणु क्षमता प्रदर्शित की।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. राष्ट्रीय सुरक्षा और परमाणु नीति :

- रक्षा की आवश्यकता – भारत ने अपनी रक्षा के लिए परमाणु हथियार रखने की नीति स्वीकार की।
- पहले प्रयोग नहीं – भारत की घोषित परमाणु नीति में परमाणु हथियारों का पहले प्रयोग नहीं करने का सिद्धांत शामिल है।

6. वैश्विक निशस्त्रीकरण :

- भेदभावहीन निशस्त्रीकरण – भारत ने विश्व स्तर पर लागू होने वाले भेदभावहीन परमाणु निशस्त्रीकरण का समर्थन किया।
- परमाणु हथियार मुक्त विश्व – भारत की नीति में परमाणु हथियारों से मुक्त विश्व के निर्माण की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

28. भारत की गुटनिरपेक्षता नीति की विवेचना कीजिए।

उत्तर–

भूमिका : स्वतंत्रता के समय विश्व दो महाशक्ति खेमों में बँट रहा था। भारत ने किसी एक सैन्य गुट में शामिल होने के बजाय स्वतंत्र विदेश नीति के रूप में गुटनिरपेक्षता को अपनाया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1. गुटनिरपेक्षता का अर्थ :

- सैन्य गुटों से दूरी – अमेरिका और सोवियत संघ के नेतृत्व वाले सैन्य संगठनों में शामिल न होना।
- स्वतंत्र निर्णय – अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं पर किसी एक महाशक्ति के दृष्टिकोण के बजाय स्वयं निर्णय लेना।

2. गुटनिरपेक्षता के प्रमुख उद्देश्य :

- संप्रभुता की रक्षा – कठिन संघर्ष से प्राप्त स्वतंत्रता को सुरक्षित रखना।
- क्षेत्रीय अखंडता – भारत की सीमाओं और राष्ट्रीय एकता की रक्षा करना।
- आर्थिक विकास – देश के आर्थिक विकास को तेज करना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. विश्व शांति और सहयोग :

- शीतयुद्ध का तनाव कम करना – भारत ने महाशक्ति खेमों के बीच तनाव कम करने का प्रयास किया।
- संयुक्त राष्ट्र की भूमिका – भारत ने संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में अपनी सेना भेजी।
- मैत्रीपूर्ण संबंध – दोनों खेमों के देशों के साथ संबंध बनाए रखने की नीति अपनाई।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. एशिया-अफ्रीका में भारत की भूमिका :

- 1947 का सम्मेलन – भारत ने एशियाई संबंध सम्मेलन का आयोजन किया।
- 1955 का बांडुंग सम्मेलन – इस सम्मेलन में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव पड़ी।
- 1961 का सम्मेलन – बेलग्रेड में गुटनिरपेक्ष आंदोलन का पहला सम्मेलन हुआ।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. स्वतंत्र विदेश नीति का व्यावहारिक प्रयोग :

- स्वेज संकट – 1956 में भारत ने मिस्र पर हुए ब्रिटिश आक्रमण का विरोध किया।
- संतुलन की कठिनाई – भारत ने उसी वर्ष हंगरी पर सोवियत आक्रमण की सार्वजनिक निंदा नहीं की, जिससे नीति के पालन की जटिलताएँ सामने आईं।
- दोनों खेमों से सहायता – भारत ने किसी एक सैन्य खेमे में शामिल हुए बिना दोनों पक्षों से सहायता प्राप्त की।